

युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए हरियाणा सरकार कृत संकल्पः गौतम

बसताड़ा खेल स्टेडियम का किया औचक निरीक्षण, स्टेडियम में अव्यवस्था को देखकर खेल अधिकारी पर भड़के



संकल्प है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्र में स्थानीय खेल स्टेडियमों में भी खिलाड़ियों के लिए मूलभूत सुविधाएं प्रदान कर रही है, ताकि युवाओं को गांव स्तर पर ही अचूक खेल सुविधा मिले और वे नशे जैसी सामाजिक



संपादकीय

माता जयंती को समर्पित ध्वज मंदिर

माँ काली व माँ भद्रकाली से पर्व माँ के जिस स्वरूप का शब्दों के माध्यम से स्मरण किया जाता है, वह नाम है माँ जयंती का और माँ जयंती से ही शुरू होता है माँ का एक सुन्दर मन्त्र-----

जयंती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी

*दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा च्यव्धा नमोऽसुरोऽ।

अर्थात् जयंती, मंगला, काली, भद्रकाली, कपालिनी, दुर्गा, क्षमा, शिवा, धात्री, स्वाहा और स्वधा- एवं मनो- से प्रसिद्ध माँ जगदिव्यके आपों मेरा नमस्कार है। दुर्गा सप्तशती के अंगलासोत्र का यह पहला श्लोक है। इस मन्त्र के बारे कहा गया है, यहाँ मंत्र सर्व सौभाग्य को प्रदान करने वाला है। इसमें आदि शक्ति मातृत्वरी के 11 नामों का स्मरण होता है, इन्हीं 11 नामों में माँ का प्रथम नाम है जयंती अर्थ 'जयंति सर्वोक्त्वेण वर्तते इति' है। उससे प्रमुख एवं विजयशक्ति सर्व सौभाग्य दायिनी माँ जयंती का भव्य दर्शक कहाँ पर स्थित है विषय पर अज अपेक्षा पाठकों के सम्मुख इस दुर्लभ एवं खोजप्रकरण के अल्लोक्य के माध्यम से प्रसाद दिलाया रहता है।

माँ जयंती की महिमा अनंत व अंगोंकर है। जननद पिथौरागढ़ के अंचल में माता जयंती का भव्य दर्शक पवित्र पहाड़ी की चोटी पर स्थित है। जननद मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर की दूरी तरफ करने के पश्चात आगे 5 किलोमीटर की दुर्गम चढ़ाई चढ़ने के बाद माँ जयंती के भव्य भवन के दर्शन होता है। जिस चोटी पर माता का मन्दिर विजारजन है वह पर्वत शिखर पिथौरागढ़ जननद की सबसे ऊँची चोटीयों में एक है। यहाँ से चारों ओर वर्त मालाओं का नजरा देखा ही भव्य दिखाया गया है। दूर-दूर तक फैले पर्वतों के शिखर इस चोटी के सम्में बहुत ही छोटे प्रतीक होते हैं। समुद्र तल से लगभग 21 सौ मीटर की ऊँचाई पर स्थित इस मंदिर का ध्वज मंदिर भी कहते हैं। माँ जयंती को समर्पित इस मंदिर से थोड़ा सा पहले एक अद्भुत गुफा है। इस गुफा में भगवान शकर एवं भव्य अलौकिक स्वरूप में पिंडी के रूप में विराजन है जिनमें खण्डन नाथ के नाम से विराज जाता है। शिव और विष्णु के नाम भी यहाँ से पूजनीय है। स्कैंड पुराण के मानस खण्ड में यहाँ का सुन्दर वर्णन मिलता है। इस खण्ड की महिमा के बारे में जब ऋषियों ने व्यास जी से पूछा 'ध्वजपर्वत' की स्थिति, तीर्थस्थान, नदियों का उद्भव एवं वहाँ स्थित शिवलिङ्गों के माहात्म्य का वर्णन करें। ध्वज परवत कहाँ पर स्थित है? उस पर आरुह होने का क्या फल है? वहाँ किसी देखी की पूजा होती है। ऋषियों के इस प्रसन्न पर व्यासजी ने उत्तर दिया-मूर्तिरार! 'रामगङ्गा' के बाईं और 'पावां' पर्वत है। उसके देखियों के बारे में 'ध्वज' पर्वत है। उसका शिखर उन्नत है। अनेक धूतों और औषधियों से वह प्रतीक है। दिव्य धूतों की इसमें सहस्रसः खाने हैं। 'हिमालय' के नमस्कार करता हुआ वह 'ध्वज' की तरह स्थित है। 'श्यामा' (काली नदी) के तीरवासी सिद्धों और वित्तसेनादि गव्यवों से वह सेवित है। इस पर्वत पर विशेषतः सिद्धों एवं विद्याधर-गणों का वास है। यहाँ 'ध्वजरी' के दिन आरुह होने पर कमनाये पूर्ण होती हैं। पूर्णिमा के दिन जागरण करने से आठों सिद्धियों प्राप्त की जाती है।



अशोक प्रवृद्ध

“ विदधा, विवृद्धा, महाकुला ।

अर्थात् - देह में वितस्ता वह नाड़ी है,

जो देह में दाह अर्थात् ताप को धारण करती है, वह बहुत व्यापक और

त्वचा भर में व्याप है। आजीर्क्या का

अर्थ करते हुए निरुक्त में कहा है-

ऋग्यूक्रप्रभवा वा, ऋग्युगमिनी वा ।

अर्थात् - ऋग्यूक्र से उत्पन्न, वा ऋग्यु

जाने वाली, मस्तक में विशेष स्थान

ऋग्यूक्रहै। उससे निकली नाड़ी

वितस्ता है विपाट् का अर्थ निरुक्त में

इस प्रकार किया गया है-

विपाटनाद्वा, विपाशनाद्वा, पाशा अस्या

व्यापाशन्तु विशिष्यत

मूमूर्च्छतस्तस्माद् विपाट् उच्चते ।

अर्थात् - विपाट् वह नाड़ी है जहाँ

विपाटन होता है, जिस के फटने पर

प्राण देह को त्याग देते हैं और आत्मा

देह से पृथक हो जाता है, उसी का

प्राचीन नाम उरुंजिरा है। सुषोमा

उत्तम प्रेरणा वाली अथवा उत्तम वीर्य

वाली वीर्यवहा नाड़ीअथवा जो अंगों में

शक्ति प्रदान करे

”

भूमूला विशेषों के क्रियाशीलता निरुक्त में

शुभम् ॥

-ऋग्वेद 10/75/5

अर्थात् - हे गंगा, विवृद्धे, सरस्वति, शुद्धि, पूर्णा, मस्तक और अन्य नदियों के संर्वत्व में विशेष विवरण हैं। इन नदियों में व्याप्त आत्मशक्ति भी उसी -उसी नाम से उपुकारी जाती है। इसे बृहदारण्यक में आत्म कहकर अकित इस वनमें भी समझ जा सकता है।

युवन-श्रीं भवति मनो मन्वानो वाम वदन इत्यादि ।

संगोतिविषेषों के क्रियाशीलता

हस्तानिखितप्रस्तुक में कहा गया है-

इडा च पिंडलाख्या च सुमुमा

चारिशिद्धिका। अलमूला व्याप्ता पूषा

गान्धर्वा, स्वद्विनी चूहः देहमध्यगता एता

मुख्या: स्वद्विनी नाड़ीः ॥

गण इडा नाड़ी है, वह आत्मा को ज्ञान प्राप्त करती है, यमुना पिंडला है, जो देह में दाह अर्थात् ताप को धारण करती है, वह बहुत व्यापक और त्वचा भर में व्याप है। इस नाम के क्रियाशील भूमूला, मस्तक और अन्य नदियों के संर्वत्व में विशेष स्थान ऋग्यूक्रहै। उससे निकली नाड़ी वितस्ता है विपाट् का अर्थ निरुक्त में इस प्रकार करता है।

संगोतिविषेषों के क्रियाशीलता

हस्तानिखितप्रस्तुक में कहा गया है-

इडा च पिंडलाख्या च सुमुमा

चारिशिद्धिका। अलमूला व्याप्ता पूषा

गान्धर्वा, स्वद्विनी चूहः देहमध्यगता एता

मुख्या: स्वद्विनी नाड़ीः ॥

गण इडा नाड़ी है, वह आत्मा को ज्ञान प्राप्त करती है, यमुना पिंडला है, जो देह में दाह अर्थात् ताप को धारण करती है, वह बहुत व्यापक और त्वचा भर में व्याप है। इस प्रकार स्पृह निरुक्त में कहा है।

युवन-श्रीं भवति मनो मन्वानो वाम वदन इत्यादि ।

गण इडा नाड़ी है, वह आत्मा को ज्ञान प्राप्त करती है, यमुना पिंडला है, जो देह में दाह अर्थात् ताप को धारण करती है, वह बहुत व्यापक और त्वचा भर में व्याप है। इस प्रकार स्पृह निरुक्त में कहा है।

संगोतिविषेषों के क्रियाशीलता

हस्तानिखितप्रस्तुक में कहा गया है-

इडा च पिंडलाख्या च सुमुमा

चारिशिद्धिका। अलमूला व्याप्ता पूषा

गान्धर्वा, स्वद्विनी चूहः देहमध्यगता एता

मुख्या: स्वद्विनी नाड़ीः ॥

गण इडा नाड़ी है, वह आत्मा को ज्ञान प्राप्त करती है, यमुना पिंडला है, जो देह में दाह अर्थात् ताप को धारण करती है, वह बहुत व्यापक और त्वचा भर में व्याप है। इस प्रकार स्पृह निरुक्त में कहा है।

संगोतिविषेषों के क्रियाशीलता

हस्तानिखितप्रस्तुक में कहा गया है-

इडा च पिंडलाख्या च सुमुमा

चारिशिद्धिका। अलमूला व्याप्ता पूषा

गान्धर्वा, स्वद्विनी चूहः देहमध्यगता एता

मुख्या: स्वद्विनी नाड़ीः ॥

गण इडा नाड़ी है, वह आत्मा को ज्ञान प्राप्त करती है, यमुना पिंडला है, जो देह में दाह अर्थात् ताप को धारण करती है, वह बहुत व्यापक और त्वचा भर में व्याप है। इस प्रकार स्पृह निरुक्त में कहा है।

</div

फास्ट न्यूज

बदलेगी अल्पविकसित व मलिन बरितयों की सूरत

टीम एक्षण इंडिया
लखनऊः अल्पविकसित और मलिन बरितयों की सूरत बदलने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में बढ़ गैये पर विकास कार्य शुरू किए गए हैं। इसी के तहत लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर नगर, रायबरेली, कानपुर समेत 17 जिलों में 250 से अधिक परिवेजनाओं के माध्यम से लोगों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं मुहूर्त जारी किया गया है।

मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित व मलिन बरित विकास योजना के तहत लखनऊ, प्रयागराज, मथुरा, बरसी, जालौन, सिंधुनगर, जानपुर, बुलूदशहर और महाराजगंज की 166 परिवेजनाओं की 3.35 करोड़ रुपए की वित्तीय स्थूलीकृति प्रदान की गई है। इसी की में कानपुर नगर, फोड़पुर, रायबरेली, कानपुर, आजमगढ़ और रायबरेली की जिलों पर 95 परिवेजनाओं की 17.53 करोड़ रुपए की धनराशी जारी की गई है। इन फंड्स से शहरी क्षेत्रों में जल निकासी, सड़क निर्माण और रोशनी की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। प्रदेश सरकार की इन महत्वपूर्ण परिवेजनाओं के पूरा होने से मरिल बरितयों के लोगों के जीवन स्तर में सुधार आया और शहरी ढांचे को मज़बूती मिलेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में तेज़ी से विकास कार्य हो रहे हैं जिससे प्रदेश की तरह बदल रही है। योगी आदित्यनाथ की यह पहल प्रदेश के गीरी और चिंतित तरफ़ के लिए एक नई उत्तम लेवल आई है। जल्द ही इन क्षेत्रों के निवासियों को बेहतर सड़क, जल निकासी और उत्तम प्रकाश व्यवस्था जैसी सुविधाएं मिलेंगी।

टर्न ओवर की सीमा बढ़कर हुई ढाई गुना, अधिसूचना जारी

टीम एक्षण इंडिया
भोपालः मध्य प्रदेश के सभी सीएम राज्य स्कूल अब "सांदोपनि विद्यालय" के नाम से जाने जाएंगे। मंगलवार को स्कूल चलें हमें अभियान के शुभारंभ अवसर पर इस संबंध में घोषणा की। उन्होंने कहा कि "सांदोपनि राज्य स्कूल का नाम ऐसा लगता था, जैसे अंग्रेजों के जानाएं का हो, इसलिए इसे बदलने के तहत बांधवार को स्कूल चलें हमें अभियान के शुभारंभ अवसर पर इस संबंध में घोषणा की। उन्होंने कहा कि "सांदोपनि राज्य स्कूल का नाम यादव इस अवसर पर भोपाल के शासकीय नवान उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंगरेजों को लगता था"। सीएम राज्य स्कूल के नाम पर किया गया है ताकि उन्होंने इस नाम पर आज (एक अंत्रैत) से नया शैक्षणित सत्र शुरू हुआ। इस अवसर पर प्रदेश के सभी स्कूलों में प्रवेशोत्सव मनाया जा रहा है।

टर्न ओवर की सीमा बढ़कर हुई ढाई गुना, अधिसूचना जारी

टीम एक्षण इंडिया
लखनऊः योगी सरकार के निर्देश में परिवहन विभाग द्वारा मॉडल इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च (आईडीटीआर) की स्थापना की कार्यवाही प्रारंभ कर रही गई है। इसके उद्देश्य उत्तर प्रदेश में सड़क सुरक्षा को संस्थानित रूप देना और व्यावसायिक चालकों को आधुनिक प्रशिक्षण प्रदान करना है। परिवहन अयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने इस दिन के जिलाधिकारियों को पत्र लिखकर आईडीटीआर की स्थापना के लिए न्यूनतम 10-15 एकड़ भूमि

व्यावसायिक चालकों की ट्रेनिंग पर जोर

टीम एक्षण इंडिया
लखनऊः योगी सरकार के निर्देश में परिवहन विभाग द्वारा मॉडल इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च (आईडीटीआर) की स्थापना की कार्यवाही प्रारंभ कर रही गई है। इसके उद्देश्य उत्तर प्रदेश में सड़क सुरक्षा को संस्थानित रूप देना और सेक्षेत्रों के लिए विकास कार्यक्रमों को विकास करना है। इसके उद्देश्य उत्तर प्रदेश के अधिकारी की स्थापना के लिए न्यूनतम 10-15 एकड़ भूमि

आदेश जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद गढ़वाल कमिशनर को 5 अंप्रैल को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में ऐश होने के निर्देश दिए

ऋषिकेश में अवैध निर्माण पर हाईकोर्ट सख्त

टीम एक्षण इंडिया
नैनीतालः हाईकोर्ट ने ऋषिकेश में हो रहे अवैध निर्माण को लेकर द्वारा द्वारा याचिका पर सुनवाई के बाद गढ़वाल कमिशनर को 5 अंप्रैल को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में ऐश होने के निर्देश दिए हैं। कोट ने यह भी स्पष्ट करने को कहा है कि मसरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एसडीटीआर) अवैध निर्माण कार्यों को किस आधार पर कंपांड बना रहा है, जबकि ऐसे निर्माणों को नियमित नहीं किया जा सकता। मूल्यांकन नामांकन के लिए लेकर नियमित आधार की स्वीकृति के लिए जाकर कुछ लोगों द्वारा अवैध निर्माण किए

खंडपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। मामले के अनुसार ऋषिकेश निवासी पंकज अग्रवाल व अन्य ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका द्वारा कर कहा था कि देहरादून के ऋषिकेश में स्वीकृत मानांकन के विपरीत जाकर कुछ लोगों द्वारा अवैध निर्माण किए

जा रहे हैं। जिस पर कार्यवाही करते हुए मंसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण ने उसे सील कर दिया, लेकिन कुछ समय बाद विकास प्राधिकरण के एसडीटीआर की सीलिंग से प्रतिबंध हटाकर अवैध निर्माण को कंपांड बनाने के लिए जाकर कुछ लोगों द्वारा अवैध निर्माण किए

जा रहे हैं। जिस पर कार्यवाही करते हुए मंसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण ने उसे सील कर दिया, लेकिन कुछ समय बाद विकास प्राधिकरण के एसडीटीआर की सीलिंग से प्रतिबंध हटाकर अवैध निर्माण को कंपांड बनाने के लिए जाकर कुछ लोगों द्वारा अवैध निर्माण किए

जा रहे हैं। जिस पर कार्यवाही करते हुए मंसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण ने उसे सील कर दिया, लेकिन कुछ समय बाद विकास प्राधिकरण के एसडीटीआर की सीलिंग से प्रतिबंध हटाकर अवैध निर्माण को कंपांड बनाने के लिए जाकर कुछ लोगों द्वारा अवैध निर्माण किए

जा रहे हैं। जिस पर कार्यवाही करते हुए मंसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण ने उसे सील कर दिया, लेकिन कुछ समय बाद विकास प्राधिकरण के एसडीटीआर की सीलिंग से प्रतिबंध हटाकर अवैध निर्माण को कंपांड बनाने के लिए जाकर कुछ लोगों द्वारा अवैध निर्माण किए

जा रहे हैं। जिस पर कार्यवाही करते हुए मंसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण ने उसे सील कर दिया, लेकिन कुछ समय बाद विकास प्राधिकरण के एसडीटीआर की सीलिंग से प्रतिबंध हटाकर अवैध निर्माण को कंपांड बनाने के लिए जाकर कुछ लोगों द्वारा अवैध निर्माण किए

जा रहे हैं। जिस पर कार्यवाही करते हुए मंसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण ने उसे सील कर दिया, लेकिन कुछ समय बाद विकास प्राधिकरण के एसडीटीआर की सीलिंग से प्रतिबंध हटाकर अवैध निर्माण को कंपांड बनाने के लिए जाकर कुछ लोगों द्वारा अवैध निर्माण किए

जा रहे हैं। जिस पर कार्यवाही करते हुए मंसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण ने उसे सील कर दिया, लेकिन कुछ समय बाद विकास प्राधिकरण के एसडीटीआर की सीलिंग से प्रतिबंध हटाकर अवैध निर्माण को कंपांड बनाने के लिए जाकर कुछ लोगों द्वारा अवैध निर्माण किए

जा रहे हैं। जिस पर कार्यवाही करते हुए मंसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण ने उसे सील कर दिया, लेकिन कुछ समय बाद विकास प्राधिकरण के एसडीटीआर की सीलिंग से प्रतिबंध हटाकर अवैध निर्माण को कंपांड बनाने के लिए जाकर कुछ लोगों द्वारा अवैध निर्माण किए

जा रहे हैं। जिस पर कार्यवाही करते हुए मंसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण ने उसे सील कर दिया, लेकिन कुछ समय बाद विकास प्राधिकरण के एसडीटीआर की सीलिंग से प्रतिबंध हटाकर अवैध निर्माण को कंपांड बनाने के लिए जाकर कुछ लोगों द्वारा अवैध निर्माण किए

जा रहे हैं। जिस पर कार्यवाही करते हुए मंसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण ने उसे सील कर दिया, लेकिन कुछ समय बाद विकास प्राधिकरण के एसडीटीआर की सीलिंग से प्रतिबंध हटाकर अवैध निर्माण को कंपांड बनाने के लिए जाकर कुछ लोगों द्वारा अवैध निर्माण किए

जा रहे हैं। जिस पर कार्यवाही करते हुए मंसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण ने उसे सील कर दिया, लेकिन कुछ समय बाद विकास प्राधिकरण के एसडीटीआर की सीलिंग से प्रतिबंध हटाकर अवैध निर्माण को कंपांड बनाने के लिए जाकर कुछ लोगों द्वारा अवैध निर्माण किए

जा रहे हैं। जिस पर कार्यवाही करते हुए मंसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण ने उसे सील कर दिया, लेकिन कुछ समय बाद विकास प्राधिकरण के एसडीटीआर की सीलिंग से प्रतिबंध हटाकर अवैध निर्माण को कंपांड बनाने के लिए जाकर कुछ लोगों द्वारा अवैध निर्माण किए

जा रहे हैं। जिस पर कार्यवाही करते हुए मंसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण ने उसे सील कर दिया, लेकिन कुछ समय बाद विकास प्राधिकरण के एसडीटीआर की सीलिंग से प्रतिबंध हटाकर अवैध निर्माण को कंपांड बनाने के लिए जाकर कुछ लोगों द्वारा अवैध निर्माण किए

जा रहे हैं। जिस पर कार्यवाही करते हुए मंसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण ने उसे सील कर दिया, लेकिन कुछ समय बाद विकास प्राधिकरण के एसडीटीआर की सीलिंग से प्रतिबंध हटाकर अवैध निर्माण को कंपांड बनाने के लिए जाकर कुछ लोगों द्वारा अव